



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञापित PRESS RELEASE

INDIA DEFEATED COVID-19 WITH COLLECTIVE EFFORTS: LOK SABHA SPEAKER/सामूहिक प्रयास से भारत ने कोरोना को हराया: लोक सभा अध्यक्ष

...

SEVERAL IMPORTANT STEPS HAVE BEEN TAKEN TOWARDS UNIVERSAL HEALTH COVERAGE IN COUNTRY: LOK SABHA SPEAKER/देश में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज प्रदान करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

INDIA'S DOCTOR-POPULATION RATIO IS BETTER THAN WHO STANDARDS: LOK SABHA SPEAKER/भारत में डॉक्टर-जनसँख्या अनुपात डब्ल्यूएचओ के मानक से बेहतर है: लोक सभा अध्यक्ष

...

ONLY NEW RESEARCH AND INNOVATION IN MEDICAL SCIENCE CAN SAVE HUMANITY FROM SERIOUS DISEASES: LOK SABHA SPEAKER/चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में नए शोध और नए उपाय ही मानवता को गंभीर बीमारियों से बचा सकते हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES MEMBERS OF INDIAN MEDICAL ASSOCIATION/लोकसभा अध्यक्ष ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सदस्यों को संबोधित किया

...

New Delhi; 22 March 2023: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed members of the Indian Medical Association (IMA) in New Delhi, today.

Speaking on the occasion, Shri Birla thanked doctors and Corona Warriors for their selfless services during the COVID-19 pandemic. Appreciating the work of scientists during the pandemic, Shri Birla said that the discovery of COVID-19 vaccines brought humanity out of those difficult times and led to success. India made all out efforts to turn disaster into opportunity and won the war against Corona with collective efforts and cooperation.

On the health sector, Shri Birla observed that in the last few years several important steps have been taken towards providing Universal Health Coverage. The Comprehensive National Health Policy of 2017 is a major step towards ensuring universal access to high quality health services, stressed Shri Birla.

Shri Birla emphasized that every citizen deserves affordable and accessible, high quality healthcare and the nation is moving fast in this direction. He expressed happiness that in the recent past, there has been phenomenal progress in healthcare in terms of various health indicators. Whether it is easy access to health services, reduction in the costs, or investment and capacity building and upgrade of health services infrastructure, there have been positive changes in every sector. Mentioning the doctor-population ratio, Shri Birla informed that today, while there are more than 13 lakh allopathic doctors in the country, there are more than 5.5 lakh AYUSH doctors. As a result, India's Doctor-Population ratio is now 1:834 which is better than the WHO norm of 1:1000. Referring to the improvements in health infrastructure, Shri Birla said that whether it is approval for setting up 22 new AIIMS in the country, upgrade of district and referral hospitals to build new medical colleges, or expanding AYUSH services, the nation is making a difference in health. Welfare approach has been adopted as a long-term vision in the field of health care for all. This year's Union Budget also reflects the same vision, observed Shri Birla.

Referring to Azadi ka Amrit Mahotsav, Shri Birla said that in the last 75 years, the country faced several challenges even with limited resources after independence,

but it has improved over the period of time. Earlier we used to cater to our own needs but now we provide medical services to countries around the world, mentioned Shri Birla. India's supply of vaccines to countries around the world to prevent the COVID pandemic is a living example of this approach. India's victory over polio has proved that our willpower can subdue the mightiest challenges, added Shri Birla. He emphasized that only new research and new measures in the field of medical science can save humanity from serious diseases.

Mentioning about traditional systems of medicine in this context, Shri Birla said that traditional systems of medicine such as Ayurveda, Siddha, Unani and Homeopathy have an important role to play in meeting our primary health care needs. Today India's ancient tradition of Yoga is a mass movement. Yoga has got momentum and its health benefits are being acknowledged and adopted globally, said Shri Birla. Referring to 'Swachh Bharat Abhiyan', 'Ujjwala Yojana', 'Jal Jeevan Mission', 'Poshan Abhiyaan', 'Mission Indradhanush', 'Jan Aushadhi Kendra' and Ayushman Bharat Yojana, Shri Birla opined that all these schemes have proven to be a milestone towards keeping the humanity healthy.

On the role of public representatives in providing accessible and quality health services to the people, Shri Birla suggested that public representatives should be included in the action plan for providing health services to people. They will help in educating people on health issues and solving health related challenges of the people. In this context, he informed that the initiatives taken by the parliamentarians during COVID have been compiled in the form of a booklet titled 'Innovations and Best Practices during COVID-19 Pandemic (2020-21)'. The booklet covers best practices and new approaches to contact people in the face of the pandemic. It includes the exemplary work done by over 100 MPs during the pandemic, informed Shri Birla.

नयी दिल्ली; 22 मार्च, 2023: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज नई दिल्ली में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सदस्यों को संबोधित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्री बिरला ने भारत की ओर से कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान निःस्वार्थ भाव के साथ प्रदान की गयी सेवाओं के लिए चिकित्सकों और कोरोना वॉरियर्स का आभार व्यक्त किया। महामारी के दौरान वैज्ञानिकों की काम की सराहना करते हुए श्री बिरला ने कहा कि कोविड टीकों की उनकी खोज ने मानवता को परीक्षा की उस घड़ी से बाहर निकाला और सफलता दिलाई। भारत ने आपदा को अवसर में बदलने के लिए

समग्र प्रयास किये और उस परिस्थिति में सामूहिक प्रयास और सहयोग से कोरोना के खिलाफ जंग जीती ।

स्वास्थ्य क्षेत्र पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज प्रदान करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं । 2017 की व्यापक राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति अच्छी गुणवत्ता वाली सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवाओं तक सभी की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है।

श्री बिरला ने जोर देकर कहा कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और सुलभ, उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा पाने का हक है और देश इस सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने हर्ष व्यक्त किया कि पिछले कुछ समय में हमारे स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में विभिन्न स्वास्थ्य संकेतकों की दृष्टि से अभूतपूर्व प्रगति हुई है। चाहे स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच बनाने की बात हो, सेवाओं की लागत में कमी हो, या निवेश और क्षमता निर्माण और स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे का उन्नयन हो, हर क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं। डॉक्टर- जनसंख्या अनुपात पर बोलते हुए श्री बिरला ने कहा कि आज देश में जहां 13 लाख से अधिक एलोपैथिक डॉक्टर हैं, वहीं साढ़े 5 लाख से अधिक आयुष डॉक्टर हैं। इसी का परिणाम है कि हमारा डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात अब 1: 834 है जो डब्ल्यूएचओ के 1: 1000 के मानक से बेहतर है । श्री बिरला ने स्वास्थ्य ढांचे में सुधार का उल्लेख करते हुए कहा कि चाहे देश में 22 नए एम्स की स्थापना के लिए मंजूरी हो, जिला एवं रेफरल चिकित्सालयों को अपग्रेड करके नये मेडिकल कॉलेज बनाना हो, या आयुष सेवाओं का विस्तार करना हो, देश ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में दीर्घकालिक विजन के रूप में कल्याणकारी दृष्टिकोण अपनाया है, ताकि सभी के लिए स्वास्थ्य सुनिश्चित किया जा सके। इस वर्ष का केंद्रीय बजट भी इसी विजन को दर्शाता है, श्री बिरला ने कहा।

आजादी का अमृत महोत्सव का जिक्र करते हुए श्री बिरला ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में, देश ने आजादी के बाद सीमित संसाधनों में भी चुनौतियों का सामना किया, लेकिन समय के साथ इसमें सुधार हुआ। पहले हम अपनी जरूरतें पूरी करते थे लेकिन अब हम विश्व के देशों को चिकित्सा सेवाएं सप्लाई करते हैं। कोरोना महामारी से बचाव के लिए दुनिया भर

के कई देशों को भारत द्वारा वैक्सीन की सप्लाई इसका जीता-जागता उदाहरण है। पोलियो पर भारत की विजय ने यह साबित किया है कि हमारी इच्छाशक्ति विशाल चुनौतियों को भी छोटा करने की शक्ति रखती है, श्री बिरला ने कहा। श्री बिरला ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में नए शोध और नए उपाय ही मानवता को गंभीर बीमारियों से बचा सकते हैं।

इस सन्दर्भ में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की जिक्र करते हुए श्री बिरला ने कहा कि आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की हमारी प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। आज योग की भारत की प्राचीन परंपरा एक जन आन्दोलन का रूप ले चुकी है और इसके स्वास्थ्य संबंधी लाभों को पूरा विश्व मान रहा है, उन्हें अपना रहा है, श्री बिरला ने कहा। उन्होंने 'स्वच्छ भारत अभियान', 'उज्ज्वला योजना', 'जल जीवन मिशन' 'पोषण अभियान', 'मिशन इंद्रधनुष', 'जन औषधि' केंद्र' और आयुष्मान भारत योजना की उल्लेख करते हुए कहा कि ये सारे योजनाएं मानवता को स्वस्थ रखने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई हैं।

श्री बिरला ने लोगों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर बोलते हुए कहा कि लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की कार्ययोजना में जनप्रतिनिधियों को शामिल किया जाना चाहिए। वे स्वास्थ्य के मुद्दों पर लोगों को शिक्षित करने और लोगों की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को हल करने में मदद करेंगे। इस संदर्भ में उन्होंने बताया कि Covid के समय सांसदों द्वारा की गई पहलों को 'इनोवेशन्स एन्ड बेस्ट प्रैक्टिसेज ड्यूरिंग कोविड-19 पेंडेमिक (2020-21)' शीर्षक वाली एक पुस्तिका के रूप में संकलित किया गया है। इस पुस्तिका में महामारी का सामना करने के लिए लोगों से संपर्क करने के सबसे अच्छे तरीकों और नए उपायों को शामिल किया गया है। इसमें महामारी के दौरान 100 से अधिक सांसदों द्वारा किये गए अनुकरणीय कार्यों को शामिल किया गया है, श्री बिरला ने सूचित किया।